# अखिल भारतीय जैन बैंकर फोरम के बढ़ते कदम

आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज समाज के सभी प्राणियों एवं समाज कल्याण हेतु सदैव प्रयासरत रहते हैं प्रबुद्ध वर्ग जो अपनी व्यस्तताओ के कारण धर्म एवं समाज से अलग हो चुका था को समाज एवं धर्म से जोड़ने के लिए आचार्य श्री द्वारा अनेकों प्लेटफार्म की स्थापना की जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, साइंटिस्ट, प्रोफेसर, वकील आदि इन सभी को एक प्लेटफार्म पर एकत्रित कर उन्हें समाज से जोड़ने एवं उनके अंदर धार्मिक भावनाएं जागृत करने का कार्य आचार्य श्री के संरक्षण में किया गया। इन्हीं सब से प्रेरित होकर हमारे मन में भी एक भावना आई कि क्यों ना हम भी अखिल भारतीय स्तर पर जैन बैंकर फोरम की स्थापना करें। आचार्य श्री के 2013 के दिल्ली प्रवास के मध्य हम आचार्य श्री के दर्शन करने गए वहीं हमने आचार्य श्री से प्रेरणा लेकर उन्हें आश्वासन दिया कि हम इसी वर्ष से अखिल भारतीय जैन बैंकर फोरम की स्थापना करेंगे एवं उन्हीं के द्वारा सुझाए गए नाम अखिल भारतीय जैन बैंकर फोरम इस संस्था का नाम रखा गया । मुझे बताते हुए प्रसंता है कि मात्र 3 महीने में हमने अखिल भारतीय स्तर पर 5000 जैन बैंकर को अपने साथ जोड़ा और 27 अक्टूबर 2013 को अखिल भारतीय जैन बैंकर फोरम का प्रथम अधिवेशन बाहुबली एनक्लेव दिल्ली में आयोजित किया गया जिस के मुख्य अतिथि श्री सुधीर कुमार जैन चेयरमैन सिंडिकेट बैंक थे। इस अधिवेशन मैं देश के विभिन्न भागो से वरिष्ठतम स्तर से लेकर न्यूनतम स्तर के अधिकारियों - कर्मचारियों ने भाग लिया। इसी अवसर पर हमारे द्वारा 5200 जैन बैंकर अधिकारियों और कर्मचारियों की एक डायरेक्टरी भी जारी की, जिसका विमोचन आचार्य श्री द्वारा किया गया। इसके बाद से आचार्य श्री जहां भी विराजमान होते हर वर्ष अखिल भारतीय जैन बैंकर फोरम का वार्षिक अधिवेशन उन्हीं के पावन सानिध्य में किया जाने लगा। आज दिन तक फोरम के 07 वार्षिक अधिवेशन आचार्य श्री के पावन सानिध्य में आयोजित किए जा चुके हैं।

अब हमारा दूसरा लक्ष्य था कि देश के विभिन्न भागों में अखिल भारतीय जैन बैंकर फोरम की शाखाओं की स्थापना करना। मुझे यह बताते प्रसंता है कि पिछले 6 वर्षों के अंतर्गत हमारे द्वारा देश के 7 राज्यों के विभिन्न भागों में 25 शाखाओं की स्थापना की जा चुकी है इस वर्ष के अंत तक हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि हम चार अन्य शाखाएं इंदौर, ग्वालियर दिल्ली बेस्ट एवं भीलवाड़ा शाखाएं स्थापित करने में सफल होंगे।

वर्ष 2016 में सोनागिर सिद्ध क्षेत्र पर आयोजित वार्षिक अधिवेशन में फोरम के संविधान एवं bye-laws को अंतिम रूप दिया गया इसी के अंतर्गत यह भी निर्णय लिया गया कि हम केंद्रीय स्तर पर देश के विभिन्न भागों में स्थापित शाखाओं में से 3 सर्वोत्तम शाखाओं का उनके द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर चयन करेंगे सर्वोत्तम शाखा, प्रथम रनर्अप शाखा एवं द्वितीय रनर्अप शाखा। साथ ही शाखाओं द्वारा बनाए गए अधिकतम सदस्य संख्या के आधार पर एक सर्वोत्तम सदस्य संख्या वृद्धि शाखा का भी चयन करेंगे एवं इन सभी को फोरम के वार्षिक अधिवेशन में विशेष रुप से सम्मानित किया जाएगा। मुझे यह बताते प्रसंता है कि वर्ष 2017 में स्थापित नई शाखा ललितपुर शाखा को वर्ष 2018 में आगरा में आयोजित वार्षिक अधिवेशन में सर्वोत्तम Emerge शाखा के रूप में सम्मानित किया गया। वर्ष 2019 के अंतर्गत अतिशय क्षेत्र तिजारा में आयोजित वार्षिक अधिवेशन के अंतर्गत आगरा शाखा को सर्वोत्तम शाखा, ललितपुर शाखा को प्रथम रनरअप शाखा के रूप में एवं गाजियाबाद शाखा को द्वितीय रनर अप शाखा के रूप में सम्मानित किया गया। जयपुर शाखा को सर्वोत्तम सदस्य संख्या बढ़ाने के लिए सम्मानित किया गया। वर्ष में दो बार हम फोरम की केंद्रीय कार्यकारिणी की सभा का आयोजन भी आचार्य श्री के सानिध्य में ही आयोजित करते हैं जिसमे सभी शाखाओं के अध्यक्ष एवं मंत्री एवं केंद्रीय कार्यकारिणी के सदस्य भाग लेते हैं। शाखा के सचिव अथवा अध्यक्ष द्वारा पिछले 6 महीनों में की गई प्रगति की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है।

वर्ष 2016 में फोरम का संविधान एवं नियमावली को अंतिम रूप देते हुए शाखाओं से यह भी अनुरोध किया गया कि वे निम्न क्षेत्रों में सामाजिक सेवा एवं अन्य कार्यों में विशेष ध्यान दें

- समाज सेवा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका अदा करना।
- शिक्षा क्षेत्र में निर्बल आय वर्ग के जैन समाज के छात्रो को विशेष सहायता प्रदान करना।

- वृद्ध आश्रम, बाल आश्रम, गुरुकुल एवं अन्य असहाय संस्थाओं को आर्थिक एवं भोजन व्यवस्था संबंधी सहायता उपलब्ध कराना।
- बैंक के सहकर्मी साथियों के बैंकिंग संबंधी समस्याओं का निराकरण करना।
- जैन एवं जनेतर समाज की व्यक्तिगत एवं व्यवसायिक बैंकिंग समस्याओं का समाधान कराना।
- पर्यावरण के संरक्षण हेतु पौधारोपण करना एवं उनके संरक्षण के लिए स्थानीय समाज को जिम्मेदारी सौंपना।

मुझे यह बताते हुए प्रसंता है कि उपरोक्त सभी क्षेत्रों में हमारी शाखाओं द्वारा बढ़ चढ़कर भाग लिया गया एवं अनेकों रचनात्मक कार्य किए गए। ऐसे अनेकों उदाहरण है जब हमारे forum के माध्यम से व्यवसायियों की अनेक ऐसी समस्याओं का निराकरण कराया गया जो उनके व्यवसायिक उत्थान के लिए एक मील का पत्थर साबित हुए। ऐसे भी अनेकों अवसर आए जब जैन समाज के बच्चे बैंकिंग प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त कर इंटरव्यू में जाने में भी संकोच कर रहे थे परंतु हमारे बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सहयोग करने पर उनके द्वारा इंटरव्यू में सफलता प्राप्त कर बैंक में नियुक्ति प्राप्त की। ऐसी अधिकांश नियुक्तियां अधिकारी वर्ग जैसे P.O. अथवा स्केल 2 आदि की थी। समय समय पर शाखाओं द्वारा समाज के सभी वर्गों के लिए मेडिकल कैंपों का आयोजन किया जाता है शाखाओं द्वारा फ्री मैमोग्राफी कैंप का आयोजन किया जाना इस दिशा में एक विशेष उदाहरण था। समाज के सभी वर्गों को बैंक संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए अथवा उनकी बैंकिंग संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए समय-समय पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है जहां बैंक के वरिष्ठ एवं अनुभवी अधिकारियों द्वारा बैंकिंग योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाती है एवं उपस्थित नागरिकों द्वारा उठाई गई समस्याओं का उसी समय समाधान किया जाता है। समय-समय पर शाखाओं द्वारा मंदिरों, स्कूलों, कॉलेजों एवं अन्य क्षेत्रों में पर्यावरण की रक्षा के लिए पौधारोपण किया जाता है। न केवल पौधारोपण अपितु वहां के स्थानीय समाज या संबंधित प्रबंधकों को उनके संरक्षण की जिम्मेदारी का भार भी सौंपा जाता है ताकि लगाए गए सभी पौधों का संरक्षण हो सके।

बैंक सहकर्मियों की बैंकिंग संबंधित समस्याओं का चाहे वह Vigilance से संबंधित हो अथवा रिमोट एरिया से ट्रांसफर संबंधित या अन्य समस्याओं का समाधान बैंक के उच्च अधिकारियों की सहायता से कराया गया। इस संबंध में केंद्रीय स्तर पर एक विजिलेंस संबंधी परामर्श देने के लिए एक अनुभवी विजिलेंस अधिकारियों की समिति गठित की हुई है जिसके माध्यम से

संबंधित अधिकारी, कर्मचारियों को आवश्यक सहयोग, परामर्श प्रदान कराया जाता है। हमारे राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री एसपी जैन गुड़गांव द्वारा जैन बैंकर्स के विवाह योग्य बच्चों के लिए एक मेट्रोमोनियल साइट का भी शुभारंभ किया गया है। जिसके द्वारा न केवल हमारे सहकर्मी अपितु जैन समाज के भाई बहन जी इसका लाभ उठा रहे हैं।

हमारे द्वारा अखिल भारतीय जैन बैंकर फोरम की एक वेबसाइट aijbforum.org के नाम से चालू की गई है जिसमें शाखाओं द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट, फोटो एवं समाचार पत्रों की कटिंग के साथ, फोरम के वार्षिक अधिवेशन की विस्तृत रिपोर्ट , फोटो के साथ, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्यों, शाखाओं के कार्यकारिणी सदस्यों की विस्तृत डिटेल भी इसमें दर्शाई गई है। अन्य कई महत्वपूर्ण सूचनाएं भी इस वेबसाइट पर उपलब्ध है।

मुझे यहां यह बताते हुए भी गर्व का अनुभव हो रहा है कि हमारे द्वारा फोरम के प्रथम वार्षिक अधिवेशन में ही निर्बल आय वर्ग के जैन परिवार के बच्चों की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता देने हेतु एक ट्रस्ट की स्थापना करने की घोषणा की गई थी जिसकी 1 जनवरी 2014 को विधिवत रजिस्ट्रेशन करा कर स्थापना की गई एवं ट्रस्ट का नाम आचार्य श्री द्वारा सुझाए गए नाम तीर्थंकर आदिनाथ एजुकेशनल ट्रस्ट रखा गया। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस ट्रस्ट के माध्यम से देश के विभिन्न भागों से प्राप्त आवेदनों के आधार पर हम हर वर्ष 100 से 120 जैन बच्चों को स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक सहायता प्रदान करते हैं। पिछले 6 वर्षों में इस ट्रस्ट के माध्यम से हम 50 लाख से भी अधिक की राशि देश के विभिन्न भागों के जैन विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप के रूप में प्रदान कर चुके हैं।

वर्तमान में कोरोना महामारी के मध्य फोरम की शाखाओं द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में अनेक रचनात्मक कार्य किए गए वह चाहे जैन निर्बल आय वर्ग के जैन परिवारों को खाद्य सामग्री अथवा आर्थिक सहायता प्रदान करना हो या जनेतर समाज के निर्धन वर्गों को भोजन के पैकेट बांटना, खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना एवं आर्थिक सहयोग प्रदान करना सम्मिलित है। कई अवसर पर शाखा के सदस्यों द्वारा ऐसे जैन परिवारों से खुद व्यक्तिगत संपर्क स्थापित कर उनकी स्थिति की जानकारी ली एवं उन्हें आर्थिक सहयोग प्रदान कराया गया। मुझे यहां यह बताते हुए भी प्रसंता है कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर उनके द्वारा स्थापित पीएम केयर्स फंड में भी हमारे आह्वान पर केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा एवं शाखाओं के सदस्यों द्वारा मात्र 3 दिन में Rs.111111 रुपए की राशि एकत्रित कर उसका चेक माननीय जनरल वीके

सिंह जी केंद्रीय राज्य मंत्री को भेंट किया गया। इस महामारी के दौरान शाखाओं द्वारा धार्मिक कार्यक्रमों में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। महावीर जयंती के अवसर पर शाखाओं द्वारा बालकोनी में निकल कर सामूहिक आरती एवं सामूहिक पूजन करना अद्भुत दृश्य थे।

इस महामारी से निपटने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा MSME को घोषित तीन लाख करोड़ पैकेज एवं 50 हजार करोड़ के पैकेज का लाभ पहुंचाने हेतु शाखाओं द्वारा लघु व्यवसायियों एवं लघु उद्योगपतियों की वेबीनार के माध्यम से ऑनलाइन सभा का आयोजन आचार्य श्री ज्ञानसागर महाराज जी के पावन सानिध्य में किया गया जिसमें अनुभवी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा इन योजनाओं की विस्तृत जानकारी उन्हें प्रदान की ताकि अधिकतम व्यवसाई एवं उद्योगपति इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। आचार्य श्री के निर्देशानुसार आगामी निकटवर्ती समय में अन्य शाखाओं द्वारा भी इस प्रकार के आयोजन का प्रयास किया जा रहा है ताकि देश के सभी भागों में लघु व्यवसाई एवं लघु उद्योगपति इन योजनाओं का पूर्ण रूप से लाभ उठा सकें।

उपरोक्त सभी कार्य हम केवल आचार्य श्री की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से कर पाने में सफल हो पाए हैं। समय-समय पर हमें आचार्य श्री का निर्देश प्राप्त होता रहता है कि हम किस दिशा में त्रुटि कर रहे हैं उस दशा में हम उनके निर्देशानुसार आवश्यक सुधार करने का प्रयत्न करते हैं। हमारी सभी शाखाएं इसी प्रकार से समाज सेवा समाज, कल्याण के क्षेत्र में निरंतर प्रयत्नशील रहेंगी ऐसा मुझे पूर्ण रुप से विश्वास है। जिस प्रकार आचार्य श्री का यह प्रयास है कि देश में जैन समाज का कोई भी व्यक्ति दुखी न रहे, सब में धर्म प्रभावना बढे एवं सभी का जीवन व्यसन मुक्त एवं शुद्ध शाकाहारी हो इस दिशा में हम विभिन्न प्लेटफॉर्मओं के माध्यम से उनकी भावनाओं को विस्तार देने में प्रयासरत है एवं काफी हद तक इस दिशा में हमारे द्वारा सफलता भी प्राप्त की गई है। आगे भी हम इसी प्रकार इन दिशाओं में प्रयासरत रहेंगे एवं आचार्य श्री का संरक्षण हमें निरंतर प्राप्त होता रहेगा ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है।

आचार्य श्री के चरणो में शत-शत नमन ।

जेके जैन
महासचिव
अखिल भारतीय जैन बैंकर फोरम